प्रेस-विज्ञप्ति

दीव में 'वायु-चक्रवात' से निपटने के लिए प्रशासन पूर्णरूप से तैयार

दीव पूरी तरह सुरक्षित, जान-माल का कोई नुकसान नहीं

दीव 13 जून, 2019: दीव के तटीय इलाके से टकराने वाले वायु-चक्रवात का केन्द्र परिवर्तित होने की वजह से दीव पर मंडराने वाला भयंकर खतरा कम हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुमान के मुताबिक वायु-चक्रवात को 12 जून की मध्य रात्रि दीव के तटीय क्षेत्रों से टकराने की संभावना व्यक्त की गई थी। चक्रवात की तीव्र गति को देखते हुए प्रशासक के सलाहकार श्री एस.एस.यादव ने दीव समाहर्ता और अन्य आला अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई जिसमें राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में सलाहकार महोदय ने सलाह दी की किसी भी परिस्थित में इस आपदा से निपटना जरूरी है। उन्होंने दमण एवं दादरा नगर हवेली से अधिकारियों को तुरंत रवाना होने का आदेश दिया एवं वायु-चक्रवात से निपटने के लिए सभही अधिकारियों और कर्मचारियों को अनिवार्य दिशा-निर्देश जारी करते हुए हर परिस्थित के लिए तैयार रहने कहा।

आज अहले सुबह ही जिला समाहर्ता ने उन सभी स्थलों का दौरा किया जिसके प्रभावित होने की प्रबल आशंका थी। कल शाम तक दीव के तटीय क्षेत्रों से लगभग 10000 लोगों को निकालकर राहत शिविरों में पहुँचाया गया। संभावित दुर्घटनाघटित क्षेत्रों के 850 कच्चे मकानों के साथ-साथ खतरे के क्षेत्र में आने वाले कुल 1300 मकानों को खाली करवाया गया। राहत सेवा में तीव्रता लाने के लिए 10 वाहनों को विशेषरूप से इसी कार्य में लगाया गया। सभी राहत शिविरों में खाने-पीने और चिकित्सा सुविधा के इंतजाम किये गये थे। एन.डी.आर.एफ. की 5 टीमों को इस आपदा से निपटने के लिए तैयार रखा गया था।

आज तड़के सुबह हवा की गति तीव्र होने के कारण वृक्षों के गिरने की सूचना मिलते ही उसे रास्ते से हटाने का कार्य अनवरत जारी रखा गया। इसके लिए एन.डी.आर.एफ. के साथ वन विभाग की दो टीमों का तैयार रखा गया था। दीव के विविध क्षेत्रों में आपात चिकित्सा सुविधा

मुहैया करवाने के लिए 3 मोबाईल मेडिकल टीम तैयार की गई थी। जून में प्रसव देने वाली 17 गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उन्हें विशेष सुविधा प्रदान की गई। इन महिलाओं में 2 ने बच्चे को जन्म दिया तथा अन्य को सरकारी अस्पताल, दीव तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, वणांकबारा में दाखिल किया गया है।

वायु-चक्रवात के केन्द्र की स्थिति में परिवर्तन आने के कारण दीव में चक्रवात का प्रभाव कम हुआ है मगर प्राप्त सूचना के अनुसार अगले 12 घंटे स्थिति पर विशेष निगरानी रखनी होगी। समाहर्ता के दिशा-निर्देश पर सभी एहतियात बरते गये थे। चक्रवात कंट्रोल रूम और हेल्पलाईन कक्ष पूर्णरूप से कार्यरत था। किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होते ही विशेषज्ञ टीम के द्वारा उसका तुरंत निपटारा किया गया। जिला में जन-जीवन को सामान्य रखने के लिए प्रशासन ने पहले ही खाद्य-वस्तुओं के साथ दूध और दवाओं का विशेष इंतजाम कर लिया था। प्रशासन की 6 टीम लोगों को सहायता प्रदान करने में नियमित तौर पर संलग्न रही और किसी भी प्रकार के नुकसान को नियंत्रित किया।